Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा -2
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-11 'इंटरनेट) शेष भाग--

पुस्तक - नवतरंग - 8

प्यारे बच्चो, सुप्रभात!

आज हम कक्षा आठवीं की पुस्तक में दिए पाठ-11 'इंटरनेट' के शेष भाग को पढ़ेंगे।

सब बच्चे अपनी पुस्तक का पृष्ठ 89 खोल लें और पाठ पढ़ने को तैयार हो जाएँ। बच्चो! आज हम जिस युग में जी रहे हैं वह मशीनी या यंत्र युग है। बच्चो! हमने पृष्ठ 90 तक पाठ पढ़ लिया है। अब हम पृष्ठ- 91 पढ़ेंगे। सब बच्चे ध्यान दें। यहाँ बताया जा रहा है कि इंटरनेट द्वारा हम घर बैठे मनोरंजन भी कर सकते हैं। जिसमें लाखों - करोड़ों चित्र, चलचित्र, गीत-संगीत, पुस्तकें आदि का आनंद ले सकते हैं। इसमें घर से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होती है। मनोरंजन का ऑन-लाइन वीडियो गेम के ज़रिए हम अलग-अलग कोने में बैठे लोगों के साथ इस ऑनलाइन साधन के द्वारा खेल भी सकते हैं। इसकी 'सोशल-नेटवर्किंग' के द्वारा हम अपने मित्रों के संपर्क में रहते हैं एवं नए मित्र भी बना सकते हैं। इसके द्वारा आपके आसपास एक तरह का दूसरा समाज बन गया है।

इंटरनेट न केवल हमारा मनोरंजन करता है बल्कि यह हमारी दैनिक ज़रूरत भी बन गया है। इसके ही कारण हज़ारों किलोमीटर दूर बैठे डॉक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए मरीज़ों का इलाज कर रहे हैं। बैंकिंग और व्यापार की दुनिया में इंटरनेट के कारण क्रांति आ

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

DATE 28.10.24
PAGE No. 2

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-11 'इंटरनेट')

गई है। सामान्य लोग इंटरनेट के कारण कमाई भी करने लगे हैं। इंटरनेट बैंकिंग या मोबाइल बैंकिंग जैसी सुविधा ने तो बैंक जाने के चक्कर से मुक्ति दिला दी है।

बच्चो! इंटरनेट के माध्यम से हमें घर बैठे ही सरकारी सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं। अब सरकारी दफ़्तर में जाकर घंटों पंक्ति में खड़े रहना नहीं पड़ता है। ई-गवर्नेंस के द्वारा हमें सरकारी सुविधाएँ उपलब्ध हो रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी ई-लर्निंग के द्वारा शिक्षा से जुड़ी सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जहाँ इंटरनेट घर बैठे लोगों को सब प्रकार की सुविधाएँ एवं जानकारी दे रहा है। इससे समय की बचत हो रही है। दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे हैं, जो इंटरनेट के कारण अपना समय बर्बाद करने में लगे रहते हैं। उनको इसकी लत भी लग जाती है। इससे उनका असली दुनिया से संपर्क बिलकुल समाप्त हो जाता है। एक मिनट के लिए यदि नेट बंद हो जाए तो वे इतने परेशान हो जाते हैं कि लड़ाई-झगड़ा तक करने लगते हैं। कई बार समस्या इतनी अधिक बढ़ जाती है कि ऐसे लोगों को डॉक्टर के पास तक ले जाना पड़ जाता है।

कुछ लोग इंटरनेट के द्वारा वायरस आदि फैला देते हैं जिससे जनता का कंप्यूटर धीमा हो जाता है और खराब भी हो सकता है और वे उनकी सारी गोपनीय जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। ऐसे लोग हैकर्स कहलाते हैं। इनसे बचने के लिए एंटी-वायरस भी बनाए गए हैं। जैसे-जैसे नए वायरस आते हैं, उनका मुकाबला करने वाले एंटी-वायरस भी आ जाते हैं लेकिन यह लड़ाई कभी समाप्त नहीं होती, हर समय चलती ही रहती है।

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-11 'इंटरनेट')

अब मैं आपको कुछ कठिन शब्दों के अर्थ बताऊँगी।
शब्दार्थ :—

* सूचना - जानकारी
* क्रांति - पूर्ण परिवर्तन
* प्रदाता - प्रदान करने वाला
* शुल्क - फीस, कर
* दस्तावेज - परस्पर व्यवहार संबंधी कागज़ात
* सृजनात्मक - नई चीज़ें बनाने वाला
* विविधता - विभिन्न प्रकार का
* संपर्क - जुड़ना
* गोपनीय - छिपी हुई
* आकर्षक - सुंदर
* अवगत - जाना हुआ
* निशुल्क - मुफ़्त
* भुगतान - चुकाने की अवस्था, चुकाना

बच्चो! यह पाठ यहाँ समाप्त हुआ। आशा है यह पाठ आपने ध्यान से पढ़ा और समझा होगा। अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ।

गृहकार्य :- सभी छात्र इस पाठ को तीन-चार बार उच्च स्वर में पढ़ेंगे एवं पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ लिखेंगे। पाठ बोध के अंतर्गत आए प्रश्नों के उत्तर लिखने का प्रयास करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner